This question paper contains 4+2 printed pages]

H.P.A.S. (Main)—2011

HINDI LITERATURE

Paper II

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 150*

नोट :– प्रश्न क्रमांक 1 अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के सटीक उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों की व्याख्या कीजिए : 10×3=30

(क) (अ) सतगुरु की महिमा अनत, अनत किया उपगार।
लोचन अनत उघाड़िया, अनत दिखावणहार।

(आ) चकई बिछुरी रैनि की, आइ मिली परभाति।
जे जन बिछुरे राम सौं, ते दिन मिलै न राति।

अथवा

(अ) पेम अमिअ मंदरु विरहु, भरत पयोधि गँभीर।
मथि काढ़ेउ सुर साधु हित, कृपासिंधु रघुबीर।

P.T.O.

(आ) भरत महा महिमा जल रासी, मुनि मति ठाढ़ि तीर अबला-सी।
गा चह पार जतनु हिय हेरा, पावत नाव न बोहित बेरा।

(ख) सिहरा तन, क्षण भर भूला मन, लहरा समस्त,
हरधनुर्भंग को पुनर्वार ज्यों उठा हस्त।
फूटी स्मिति सीता-ध्यान-लीन राम के अधर,
फिर विश्व-विजय-भावना हृदय में आई भर।
वे आए याद दिव्य शर अगणित मंत्रपूत।
फड़का पर नभ को उड़े सकल ज्यों देवदूत।

अथवा

खोजता हूँ, पठार, पहाड़ समुद्र,
जहाँ मिल सके मेरी वह खोई हुई
परम अभिव्यक्ति अनिवार आत्मसंभवा।

× × ×

दुखों के दागों को तमगों सा पहना,

अपने ही ख्यालों में दिन रात रहना,

असंग बुद्धि व अकेले में सहना, जिंदगी निष्क्रिय बन गई तलघर।

(ग) मुझे इस देश से जन्मभूमि के समान स्नेह होता जा रहा है। यहाँ के श्यामल कुंज, घने जंगल, सरिताओं की माला पहने हुए शैल श्रेणी हरी भरी वर्षा, गर्मी की चाँदनी, शीतकाल की धूप और भोले कृषक तथा सरल कृषक बालाएँ, बाल्यकाल की सुनी हुई कहानियों की जीवित प्रतिमाएँ हैं।

अथवा

किन्तु क्यों है वह कलाई, क्यों नहीं है वह गर्दन ? अवश्य वह गर्दन है; जैसे कलाई कड़कड़ाती है, वैसे ही गर्दन भी कड़कड़ा सकती है, क्योंकि जकड़ में कुछ ईप्सा नहीं

है, कामना नहीं है वह केवल जकड़ है, आसुरी शक्ति जो अपने आप चलती है, यद्यपि उसके पैर अंधे हैं। दूसरी दुनिया के पर्दे को फाड़कर एक स्पर्श शेखर की भुजा पर पड़ा और शशि ने कहा—शेखर।

अथवा

जिसके रुपये हों उसे ले जाकर दे दो। हम बाकी चुकाने को पचीस रुपये मांगते थे, किसी ने न दिया। आज अँजुली भर रुपये ठनाठन निकाल कर दे दिए। मैं सब जानती हूँ। यहाँ तो बाँट बखरा होने वाला था, सभी के मुँह मीठे होते। ये हत्यारे गाँव के मुखिया हैं, गरीबों का खून चूसने वाले। सूद-ब्याज, टेढ़ी सवाई नज़र, नजराना, घूस घास जैसे भी गरीबों को लूटो। उस पर सुराज चाहिए। जेल जाने से सुराज न मिलेगा। सुराज मिलेगा धरम से, न्याय से।

2. प्रेम वर्णन में कबीर ने जिन प्रतीकों का प्रयोग किया है, वे अत्यन्त व्यापक क्षेत्र से चुने गए हैं–कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 30

3. ''भ्रमरगीतसार व्यंग्य एवं उपालम्भपूर्ण पदों का उत्कृष्ट संग्रह है''–कथन की पुष्टि में अपनी बात कहिए। 30

4. ''अयोध्याकाण्ड की रचना करते हुए तुलसी की दृष्टि सार्वभौम मानव मूल्यों पर केन्द्रित रही है''–कथन का सटीक विवेचन कीजिए। 30

5. सिद्ध कीजिए कि 'अंधेर नगरी' हिंदी का सफल प्रहसन है, जिसमें अंग्रेजी शासन पर व्यंग्य किया गया है। 30

6. 'गोदान' को कृषक जीवन का महाकाव्य कहना कहाँ तक युक्ति-संगत है ? सटीक उत्तर दीजिए। 30

7. चन्द्रगुप्त के नारी पात्रों के चरित्र-चित्रण का विश्लेषण कीजिए। 30

8. "मुक्तिबोध की कविता संघर्ष के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार का प्रयास है"–'अंधेरे में' रचना के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए। 30

9. 'शेखर : एक जीवनी' रचना हिंदी उपन्यास लेखन के क्षेत्र में एक नूतन प्रयोग है, कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? युक्तियुक्त विचार कीजिए। 30

10. "अंधेरे के प्रतीक को लेकर 'राम की शक्ति पूजा' तथा 'अंधेरे में' जिस नैराश्य को बुना गया है, वह दोनों कवियों के अन्तर्द्वन्द्व की उपज है"–उदाहरण देते हुए इस कथन को स्पष्ट कीजिए। 30